जैनेन्द्र कुमार

साहित्यिक परिचय

- जन्म - 2 जनवरी, 1905 ई०
- जन्म स्थान- कौड़ियागंज (अलीगढ़)
- घर का नाम- आनन्दी लाल
- प्रारम्भिक शिक्षा- जैन गुरूकुल
- लेखन शिक्षा- गद्य साहित्य
- भाषा- सीधी-सादी, सरल एवं सुबोध
- शैली - विचारात्मक, वर्णनात्मक
- प्रमुख रचनाएँ- पूर्वोदय, परख, त्यागपत्र
- मृत्यु - 24 दिसम्बर, सन् 1988 ई०

जीवन परिचय :—

जैनेन्द्र जी का जन्म अलीगढ़ के कौड़ियागंज नामक कस्बे में 2 जनवरी, 1905 ई० में हुआ था। इनके पिता का नाम श्री प्यारेलाल और माता का नाम श्रीमती रमादेवी था। जन्म के दो वर्ष बाद ही इनके पिता की मृत्यु हो गयी। इनकी प्रारम्भिक शिक्षा हस्तिनापुर के जैन गुरुकुल ऋषि ब्रह्मचर्याश्रम में हुई। सन् 1919 में इन्होंने मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण की। उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए इन्होंने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया,

किन्तु सन् 1921 के असहयोग आन्दोलन में भाग लेने के कारण इनकी शिक्षा का क्रम टूट गया। 24 दिसम्बर, 1988 ई० को इनका देहावसान हो गया।

साहित्यिक परिचय :-

जैनेन्द्र जी की साहित्य-सेवा का क्षेत्र बहुत विस्तृत हैं। मौलिक कथाकार के रूप में तो इनकी विशेष पहचान हैं ही, निबन्धकार और विचारक के रूप में भी इन्होंने अद्भुत प्रतिभा दिखायी हैं। इन्होंने साहित्य, कला, धर्म, दर्शन, मनोविज्ञान, समाज, राष्ट्र आदि अनेक विषयों को लेकर निबन्ध-रचना की हैं। इनकी पहली कहानी - 'खेल' सन् 1928 ई० में 'विशाल भारत' में प्रकाशित हुई थी। इसके बाद ये निरन्तर साहित्य-सृजन में प्रवृत्त रहे। जैनेन्द्र जी, ने कहानी, उपन्यास, निबंध एवं संस्मरण आदि अनेक गद्य - विधाओं को समृद्ध किया हैं।

कृतियाँ :-

इनकी प्रमुख कृतियाँ निम्नलिखित हैं-

- निबन्ध संग्रह :-
  - प्रस्तुत प्रश्न
  - जड़ की बात
  - पूर्वोदय
  - साहित्य का श्रेय और प्रेय
  - मंथन
  - सोच - विचार
  - काम, प्रेम और परिवार

- उपन्यास :-
  - परख
  - सुनीता
  - त्याग- पत्र
  - कल्याणी
  - विवर्त
  - सुखदा
  - व्यतीत
  - जयवर्धन
  - मुक्तिबोध

- संस्मरण :-
  - ये और वे

• कहानियाँ :-

- फाँसी
- जयसंधि
- वातायन
- नीलमदेश की राजकन्या
- एक रात
- दो चिड़ियाँ
- पाजेब

• अनुवाद :-

- मन्दालिनी (नाटक)
- पाप और प्रकाश (नाटक)
- प्रेम में भगवान् (कहानी संग्रह)।